श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, 24 सन्यासी हैं .....

अध्यक्ष महोदय : अब माननीय सदस्य जो कहेंगे वह रेकार्ड पर नहीं जायेगा

श्री हुकम चन्द कछवाय :**

श्री मधु लिमये : मुझे कार्य सूची पर कुछ कहना है ।

अध्यक्ष महोदय : ठहर इये, पहले मुझे कागज ले कर लेने दीजिये ।

श्री मधु लिमये : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर उस के पहले आ सकता है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, सन्यासियों की हत्या हो रही है और यह सरकार उनको छोड़ नहीं रही है ।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये । मैंने आपसे कहा है कि मैंने आपको इजाजत नही दी है । अब आप जो कहेंगे वह रेकार्ड पर नहीं जायेगा ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय,**

12.30 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

FINANCE ACCOUNTS

The Minister of State in the Ministry of Finance (Shri B. R. Bhagat): On behalf of Shri Sachindra Chaudhuri I beg to lay on the Table a copy of the Finance Accounts of the Central Government for the year 1964-65. [*Placed in Library. See* No. LT-6264/66].

ANNUAL ACCOUNTS OF KANDLA PORT TRUST

The Minister of Transport, Aviation, Shipping and Tourism (Shri Sanjiva Reddy): I beg to lay on the Table a copy of the Annual Accounts of the Kandla Port Trust for the period from 29th February, 1964 to 31st March, 1964 and the Audit Report thereon, under sub section (2) of section 103 of the Major Port Trusts Act, 1963. [*Placed in Library. See* No. LT-6265/66].

SUGAR CONTROL (AMENDMENT) ORDER, 1966

The Deputy Minister in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Co-operation (Shri Shinde): I beg to lay on the Table a copy of the Sugar (Control) Amendment Order, 1966, published in Notification No. G.S.R. 458 in Gazette of India dated the 22nd March, 1966 under sub-section (6) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955. [*Placed in Library. See* No. LT-6266/66].

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर यह है कि मैंने एक चिट्टी आपको 6 मई को लिखी थी और उसमें विनती की थी कि जो प्रिविलेज कमेटी का पांचवां रपट है उसके ऊपर नियम के अनुसार हमने प्रस्ताव दिया था कि उस पर बहस की जाय.....

अध्यक्ष महोदय : ठहर जाइए । वह मिनिस्टर आफ पार्लियामेंटरी अफेयर्स को भेजा हुआ है । जवाब आने दीजिए ।

श्री मधु लिमये : आप सुन तो लीजिए ।

अध्यक्ष महोदय : एक दफा मैं अब सुनूं और एक दफा जब जवाब आये तब लूं यह कैसे हो सकता है ?

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : अध्यक्ष महोदय .....

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको इतनी दफे कहा, मैं इजाजत नहीं दे सकता । आप बैठ जाइए

**Not recorded.